विचार बिन्दु

श्वास की क्रिया के समान हमारे चरित्र में एक ऐसी सहज क्षमता होनी चाहिए। जिसके बल पर जो कुछ प्राप्य है वह अनायास ग्रहण कर लें और जो त्याज्य है वह बिना क्षोभ के त्याग सकें। –टैगोर

और अब कोरोना के नए अवतार ओमिक्रान की दहशत

कोरोना के दो साल होने के बावजूद यह नए नए अवतार लेकर सामने आ रहा है। अब अफ्रीका से यह नया अवतार ओमिक्रान के रुप में दुनिया को हिलाने आ गया है। कोरोना के नए वैरियंट ओमिक्रान को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा बैरियंट ऑफ कंसर्ट घोषित करने से ही इसकी गंभीरता को समझा जा सकता है।

विषेषज्ञों द्वारा माना जा रहा है कि कोरोना के डेल्टा अवतार से भी यह सात गुणा तेजी से फैलने वाला वैरियंट है। यह भी साफ हो जाना चाहिए कि वैरियंट की गंभीरता को देखते हुए उसे कंसर्ट ऑफ वैरियंट घोषित किया गया है अन्यथा स्थिति में तो सामान्यत: वैरियंट ऑफ इंटरेस्ट की श्रेणी में ही रखा जाता है। कंसर्ट की श्रेणी में गंभीरता को देखते हुए ही डाला जाता है।

विषेषज्ञों द्वारा माना जा रहा है कि यह वैरियंट डेल्टा से भी ज्यादा तेजी से फैलने वाला वैरियंट है। एक अनुमान के अनुसार डेल्टा से सात गुणा अधिक तेजी से यह फैलता है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि न्यूयार्क में 15 जनवरी, 2022 तक के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी है तो दुनिया के देश दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर रोक लगा रहे हैं।

गौरतलब है कि कोरोना के ही वैरियंट डेल्टा ने अक्टूबर 2020 में भारत में प्रवेश किया और जबरदस्त तरीके से प्रभावित करने के साथ ही जानलेवा साबित हुआ। ओमिक्रान को गंभीरता से लेने का एक कारण यह भी है कि जहां एक और यह वैरियंट तेजी से फैल रहा है वहीं यह भी माना जा रहा है कि वैक्सीन इस पर अधिक असरकारक नहीं है। अफ्रीका में करीब दो माह से प्रभावित कर रहा यह वैरियंट ओमिक्रान पिछले चार से पांच दिनों में ही दक्षिण अफ्रीका के साथ ही हांगकांग, बोत्सवाना, बेल्जियम, जर्मनी, चेक गणराज्य, इजराइल और ब्रिटेन पहुंच गया है। भारत में भी बैंगलोर उतरे अफ्रीका से आए दो मरीज कोरोना संक्रमित मिलने से हडकंप मच गया है पर अभी यह पुष्ट नहीं हो पाया है कि वे ओमिक्रान से ही संक्रमित है या अन्य किसी वैरियंट से। इसी तरह से पुष्कर में तीन फ्रांसिसी महिला पर्यटकों के कोरोना संक्रमित मिलना चिंता का सबब बन गया है।

वर्तमान परिदृश्य में हम सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन है तो सबकुछ है नहीं तो कुछ भी नहीं। ऐसे में अभी सतर्कता जरुरी है और इसे समझना व समझाना होगा।

ओमिक्रान की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि शुक्रवार को देश में शेयर बाजार धड़ाम से गिर गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में चिंता व्यक्त की तो राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उच्चस्तरीय बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए और बूस्टर डोज की तैयारी करने को कहा। हांलाकि देश में कोरोना की चिंता के बीच ही 15 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ाने शुरु करने की घोषणा की गई है पर इसकी नए सिरे से समीक्षा की आवश्यकता हो गई है। योरोपीय संघ सहित दुनिया के देश अफ्रीका से हवाई उड़ानों पर रोक लगा रहे हैं। अब तक 1200 से अधिक संक्रमित मिलने से दुनिया दहशत में आ गई है। भारत सहित दुनिया के देश स्थितियों पर गंभीरता से नजर रखे हुए है और आवश्यक एहतियाती तैयारी में जुट गए हैं।

दरअसल यह माना जा रहा था कि कोरोना का अभिशाप अधिक दिन नहीं चलेगा पर देखते देखते दो सालों में ही दुनिया के देश इसके पांच वैरियंट से रुबरु हो चुके हैं। सितंबर 2020 में इंग्लैण्ड में अल्फा, मई, 2020 में दक्षिण अफ्रीका में बीटा, नवंबर, 2020 में ब्राजील में गामा, अक्टूबर, 2020 में भारत में डेल्टा और अब ओमिक्रान ने असर दिखाना शुरु कर दिया है। दरअसल वायरस की जीनोमिक संरचना में बदलाव होकर के यह नए वैरियंट का रुप ले लेता है। कोरोना ने वैसे तो पूरी दुनिया में अपना असर दिखाया है पर अमेरिका, ब्राजील, भारत संक्रमण और मौत के मामलों में सबसे अधिक प्रभावित देश रहे हैं।

दरअसल कोरोना जैसी महामारी से जुझने का दुनिया के देशों के सामने यह पहला अवसर आया है। इससे पहले प्लेग, कोलेरा, फ्लू, काला ज्वर, तपेदिक, पोलियो, एड्स, खसरा, चेचक जैसी कई महामारियों से जूझ चुका है। समय के साथ इनका ईलाज भी खोजा गया। पर मजे की बात यह है कि कोरोना के चलते तपेदिक वापिस अपना असर दिखाने लगी है और पिछले दिनों में तपेदिक के कारण मौत के मामलें लगातार बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि कोरोना प्रोटोकाल की बावजूद जिस तरह से कोरोना का थोड़ा असर कम दिखते ही प्रतिबंधों में छूट और शिथिलता बरती जाने लगी तो कोरोना नए अवतार में सामने आने लगा। नो मास्क नो एंट्रीऔर दो गज की दूरी के संदेश के बावजूद धीरे-धीरे इनका असर कागजी रहने से तबाही का मंजर जारी है। लापरवाही के चलते कोरोना है कि थोड़ी राहत देकर वापिस पूरी तेजी से आक्रामक हो रहा है। अभी वैक्सीनेशन भी पूरी तरह से नहीं हो पाया है। वैक्सीनेशन के कम असर के आए दिन आने वाले समाचारों से लोग हतोत्साहित हो रहे हैं सो अलग। दरअसल लोगों में निराशा अधिक व्याप्त होने लगी है। ऐसे में इस सबके साथ ही आशा और विश्वास की बूस्टर डोज ज्यादा जरुरी हो जाती है। मजे की बात यह है कि एक और वापिस कोरोना के मामलें बढ़ने लगे हैं तो दूसरी और शिथिलता भी बढ़ती जा रही है। योरोपीय देशों में पाबंदियों को हटानें को लेकर बड़े प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में सबकी जिम्मेदारी हो जाती है कि लोगों को कोरोना प्रोटोकाल की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। लोगों को यह समझना होगा कि जीवन है तो सब कुछ है नहीं तो कुछ भी नहीं। ऐसे में अभी सतर्कता जरुरी है और इसे समझना व समझाना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल मंगलवार 30 नवम्बर, 2021

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2078, हस्त नक्षत्र रात्रि 8:34 तक, आयुष्मान योग रात्रि 12:02 तक, बव करण दिन 3:14 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–तुला, बुध–वृश्चिक, गुरू–कुम्भ, शुक्र–धनु, शनि–मकर, राहु–वृष, केतु–वृश्चिक राशि में।

कुमार योग रात्रि 8:34 तक है। द्विपुष्कर योग रात्रि 2:14 से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 2:14 तक रहेगा। आज उत्पन्न (वैतरणी) एकादशी व्रत और पदम प्रभु मोक्ष दिन (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:39 से 10:57 तक, लाभ–अमृत 10:57 से 1:34 तक, शुभ 2:52 से 4:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:02, सूर्यास्त 5:29

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन का व्यय हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

धनु
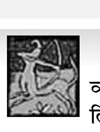
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

वृष

नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर

धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

मिथुन

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अड़चनें दूर होने लगेंगी।

तुला

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क
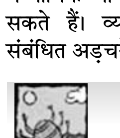
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि हो सकती है। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

मीन

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

उदयपुर के एम.ए.हुसैन की पेंटिंग को दुबई में मिला सर्वश्रेष्ठ कलाकृति का खिताब

हुसैन की पेंटिंग सवा लाख दिरहम भारतीय मूल्य 25 लाख रूपए में बिक्री

- **प्रदर्शनी में सात देशों के कलाकारों ने कलाकृतियों का प्रदर्शन किया**
- **यह पेंटिंग इस साल बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग्स में से एक है**

उदयपुर,(कासं)। दुबई के इंडियन कॉन्स्युलेट स्थित यूएई टॉलरेंस वीक -2021 के तहत डॉ. रोमित पुरोहित और पेंट ब्रश आर्ट कम्युनिटी की संस्थापक व सीईओ सोनल पुरोहित द्वारा आयोजित इंद्रधनुष एंड इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ आर्ट एग्जिबिशन एंड वर्क शॉप में उदयपुर के आर्टिस्ट एम.ए. हुसैन की पेंटिंग इस साल दुबई में बिकी सबसे महंगी पेंटिंग्स में अपनी जगह बनाने में कामयाब हुई। सोनल पुरोहित ने बताया कि प्रदर्शनी में सात देशों के कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। एग्जीबिशन में कलाकारों की 50 कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में उदयपुर के जाने-माने पेंटर एम. ए. हुसैन की हुसैन बनाम हुसैन कलाकृति को सर्वश्रेष्ठ चुना गया। हुसैन की कलाकृति को सवा लाख दिरहम में खरीदा गया जिस का भारतीय मूल्य 25 लाख रुपए हैं।

यह पेंटिंग इस साल बिकने वाली सबसे महंगी पेंटिंग्स में से एक है। एग्जिबिशन को और आकर्षक बनाने के लिए इसमें फैशन शो का भी आयोजन किया गया जिसमें 46 कलाकारों ने ब्लू टीशर्ट पहन कर अपनी कलाकृति को प्रदर्शित किया।

उदयपुर के एम.ए.हुसैन द्वारा कलाकृति।

इतिहास में पहली बार जाखम बांध नवम्बर माह में छलका

1986 के बाद 20 वीं बार चली चादर

- **जाखम बांध की ऊचाई 31 मीटर (102 फिट) और भराव क्षमता 5 हजार 15 एमसीएफटी है**

धरियावद,(निसं)। धरियावद से 32 किमी दूर सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य की गोद में स्थित राजस्थान का सर्वोच्य ऊंचाई वाला जाखम परियोजना सिचाई बांध लंबे इंतजार के बाद 29 नवम्बर को छलका। जाखम बांध की ऊचाई 31 मीटर (102 फिट) और भराव क्षमता 5 हजार 15 एमसीएफटी है। 1986 में प्रथम बार चादर चली तब से अब तक 20वी बार जाखम बांध लबालब होकर चादर चली है। अधिशाषी अभियंता भगवानसिंह करदम ने बताया कि पश्चिमी हवाओं का दबाव व मानसून रह रहकर उठ रहे है। विगत 10 दिन पूर्व बरसात होने के कारण पानी रिसता हुआ जाखम बांध में आ रहा था जिसके चलते अब जाकर इतिहास में पहली बार जाखम बनने के पश्चात नवम्बर माह में छलका। वही अब जाखम बांध की एलएमसी की नहर छोड़ दी गई है और आरएमसी नहर भी शीघ्र सिचाई हेतु छोड़ी जाएगी जिससे अब तक भराव क्षमता धीरे धीरे कम हो जाएगी जिसके चलते अब जाखम बांध की चादर नही बढ़ सकेगी।

अधिशाषी अभियंता रामाधार मीना ने बताया कि जाखम बांध की नहरों से 28 हजार 319 हेक्टर सिचित क्षेत्र में सिचाई की जाती है। क्षेत्र में असिचित सहित 58 हजार हेक्टर भूमि में पैदावार होती है। जाखम बांध बनने के पश्चात अब तक 19 बार चादर चली जिसमें सन 1986 में 2 मीटर 55 सेंटीमीटर, वर्ष 1988 में 15 सेंटीमीटर, 1989 में 85 सेंटीमीटर, 1990 में 1 मीटर 70 सेंटीमीटर, 1991 में 1 मीटर, 1994 में 1 मीटर 80 सेंटीमीटर, 1996 में 1 मीटर 20 सेंटीमीटर, 2001 में आधा मीटर, 2004 में 1 मीटर 85 सेंटीमीटर, 2006 में 3.5 मीटर, 2012 में सवार चार फिट, 2013 में 2 फिट, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019 में 1 मीटर 52 सेंटीमीटर के, वर्ष 2020 में 14 सितम्बर तथा इस सत्र 2021 में इतिहास में पहली बार नवम्बर माह में 29 नवम्बर को चादर चली।

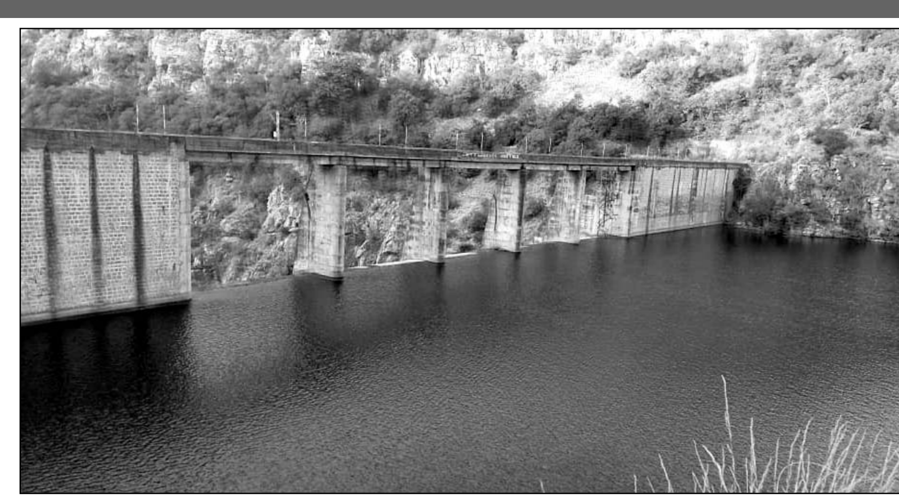
धरियावद के जाखम बांध की चादर चलने का नजारा।

17 मिनट में अनोखी शादी

- **सत्संग के दौरान हुई इस शादी में न घोड़ी, न बैंड-बाजा, न दहेज, ना ही कोई पकवान था**

श्रीमाधोपुर, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम लापुंआ में रविवार को मुनीन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र हरियाणा के तत्वावधान में आध्यात्मिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में समाज में फैली बुराइयों नशा, मृत्यु-भोज, दहेज प्रथा, पाखंडवाद, हिंसा, रिश्वतखोरी आदि को दूर कर एक सभ्य नागरिक बनने व स्वस्थ समाज का निर्माण करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान को घर-घर व गांव-गांव पहुंचाने का आग्रह किया।

संत रामपाल जी महाराज की प्रेरणा से सुशीला पुत्री भोमाराम निवासी भवानीपुरा का विवाह हरिपुरा, रेनवाल निवासी पूरणमल पुत्र सोहन के साथ सादगी से हुआ।

दूल्हा-दुल्हन साधारण कपडो में गुरु संत रामपाल जी महाराज की तस्वीर के सामने बैठे और मात्र 17 मिनट की गुरुवाणी सुनकर एक दूसरे के साथ वैवाहिक बंधन में बंध गए। सेवादार महेंद्र दास ने बताया कि सत्संग के दौरान हुई इस शादी में न घोड़ी, न बैंड-बाजा, न दहेज, ना ही कोई पकवान था। दोनों तरफ से परिवारों की सहमति से शादी हुई।

हैडकांस्टेबल के निधन के बाद बेटियों की शादी के लिए साथियों ने जुटाए दो लाख रूपये

स्वयं के साथ ही जनसहयोग से एकत्रित दो लाख 121 रुपए की राशि सौंपी

- **पुलिसकर्मियों ने दिया सामाजिक सरोकार का अनूठा उदाहरण**
- **लम्बी बीमारी के चलते कांकरोली हेडकांस्टेबल का हो गया था निधन**

राजसमंद, (निसं)। आमजन की सुरक्षा में 24 घण्टे तत्पर रहने वाले पुलिसकर्मी अपने साथ जवान के लिए भी उतने ही सजग है। कांकरोली थाने में हेडकांस्टेबल पदस्थापित मांगीलाल की बीमारी के चलते पिछले सप्ताह निधन हो गया। हैडकांस्टेबल के घर में उनकी दो पुत्रियों के विवाह होने व परिवार की आर्थिक स्थिति को समझते हुए कांकरोली थाने के पुलिस जवानों ने सहयोग राशि भेंट कर आर्थिक सहयोग दिया। कांकरोली थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास की पहल पर कांकरोली थाने के पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने स्वयं की मदद के साथ कुछ सहयोग राशि भी एकत्रित की।

गौरतलब है कि कांकरोली थाने में तैनात देसूरी जिला पाली निवासी हैड कांस्टेबल मांगीलाल की दो बेटियों की 28 नवम्बर को शादी आ गई। बीमारी के चलते मांगीलाल का परिवार पहले से ही काफी आर्थिक संकटों से जूझ रहा था। यह देखते हुए कांकरोली थाना प्रभारी योगेन्द्र व्यास के निर्देशन में सभी जवानों व जन सहयोग से 2 लाख 121 रुपए एकत्र किए गए। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक जसवंतसिंह, सूचना अधिकारी सहित कई जवानों ने राशि सुपुर्द की।

राजसमंद में हैडकांस्टेबल मांगीलाल की पुत्रियों व परिजनों को सहायता राशि भेंट करते पुलिसकर्मी।

आठ दिनों में 1500 किमी की दूरी तय करेगी स्वर्णिम विजय बाइक रैली

जयपुर, (कासं.)। कोटेश्वर, गुजरात से स्वर्णिम विजय वर्ष बाइक रैली को लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मन्हास, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, डेजर्ट कोर ने हरी झंडी दिखाकर 29 नवंबर को रवाना किया।

रैली में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, बीएसएफ, तटरक्षक बल, मीडियाकर्मी और मोटरसाइकिल के कुल 60 सवार भाग ले रहे हैं। वे भुज, अहमदाबाद, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर से गुजरेंगे और अंत में 05 दिसंबर 2021 को लोंगेवाला में लोंगेवाला दिवस समारोह के साथ समापन होगा और आठ दिनों की अवधि में लगभग 1500 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

रैली को हरी झंडी दिखाते हुए डेजर्ट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने कहा कि हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी सीमाओं की रक्षा करने वाले और दुश्मन के नापाक इरादों से अपने क्षेत्र की रक्षा करने वाले हमारे दिग्गजों के द्वारा दिये गए सर्वोच्च बलिदान को याद करें।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों से जुड़ने और उन्हें सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान की याद दिलाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जावा मोटरसाइकिल के सहयोग से आयोजित की जा रही यह रैली, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर हमारे राष्ट्र की जीत के 50 वें वर्ष को चिन्हित करने के लिए देश भर में आयोजित होने वाले समारोहों का एक हिस्सा है।

गुजरात से स्वर्णिम विजय वर्ष बाइक रैली को लेफ्टिनेंट जनरल पी एस मन्हास, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, डेजर्ट कोर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नीति आयोग ने मंजूर किया तनोट-लोंगेवाला- बबलियान पर्यटन परिपथ

जैसलमेर, (नि.सं.)। अन्तर्राष्ट्रीय सरहद पर अवस्थित जैसलमेर जिले में सीमावर्ती पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर जिला कलक्टर आशीष मोदी की पहल जबरदस्त रंग लायी है। इस संबंध में जिला कलक्टर के निर्देश पर बनाए गए प्रोजेक्ट को नीति आयोग द्वारा मंजूर कर लिया गया है।

इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सरहदी पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने के साथ ही सीमा सुरक्षा बल की कार्य शैली के बारे में पर्यटकों में जागरूकता लाने तथा रोजगार के नये अवगसर सृजित करने के उद्धेश्य से तनोट-लोंगेवाला-बबलियान परिपथ को विकसित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जैसलमेर जिला आकांक्षी कार्यक्रम में शामिल है, जिसके अन्तर्गत जिला कलक्टर आशीष मोदी के प्रयासों से नीति आयोग ने सीमावर्ती पर्यटन को बढावा देने के इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान की है।